Hindi Murli Quiz 08-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) अमृतवेले के समय को ' ब्रह्म-मुहूर्त का समय भी कहते हैं । मुरली के अनुसार अमृतवेले के समय की विशेषताओं का चयन करें ---

- A. ☑ इस समय वातावरण वृत्ति को बदलने वाला होता है ।
- B. ☑ अमृतवेले के समय तमोगुणी वातावरण या वायब्रेशन का प्रभाव कम होता है ।
- C. ☑ ब्रह्मलोक के निवासी बाप ज्ञान-सूर्य की लाईट और माइट की किरणें विशेष बच्चों को वरदान रूप में देते है ।
- D. ☑ ब्रह्मा बाप भाग्य-विधाता के रूप में भाग्य अर्थात् अमृत बाँटते है । जितना अमृत लेना चाहो वह ले सकते हो ।
- E. ☑ आपकी स्थिति बाप की वरदानों की छत्रछाया के कारण, बाप के समान सम्पन्न और दातापन की होती है ।
- F. ☑ ऐसे समय पर वरदान लेना भी सहज हैं और दान देना भी सहज है ।
- G. ☑ ऐसे समय पर पुकार सुनना भी सहज है, उपकार करना भी सहज है ।

Q.2) इस वर्ष के लिए बाप दादा ने जो होम वर्क दिया है,उसका चयन करें ---

- A. ☑ एक सेकेण्ड मे झलक और फरिश्तेपन की फलक दिखाओ ।
- B. ☑ सर्व आत्माओं के गति-सद्गति करने की सीजन आने वाली है । इसलिए सबको एवररेडी बनना है ।
- C. ☑ अब सेवा करने का एवं लेने के साथ-साथ देने का समय है । एक ही सकल्प मे लेना है और देना है ।
- D. ☑ यह प्रैक्टिस करो कि वातावरण मे हलचल हो लेकिन स्मृति और वृत्ति अचल हो । उसमे जरा भी हलचल न हो ।
- E. ☑ अपना स्वरूप परिवर्तन करके अब समाधान स्वरूप बनो ।
- F. ☑ ज्यादा पुरूषार्थी जीवन मे रहने से भी ऊपर अब हर सेकंड दातापन की स्थिति में रहो ।

Q.3) वर्तमान समय धार्मिक नेता, राजनेता और सर्वश्रेष्ठ साइन्स वाले और साथ-साथ आम जनता सब थक गये हैं । सब की एक ही पुकार है कि अब जल्दी मे कुछ बदलना चाहिए । सर्व क्षेत्र की आत्मायें अब अपने को फेल अनुभव करने लगी हैं । अब कोई सुप्रीम पावर चाहिए--इस चाहना का दीपक वा इस आवश्यकता को महसूस करने के सकल्प का दीपक जग चुका है । अब उसको और तेज करने के लिए आप सर्व आत्माओ के संकल्प का घृत चाहिए जिससे सर्व की पुकार के ऊपर उपकार कर सको ।

- A. ◉ True
- B. ○ False

Q.4) आज के वरदान अनुसार अन्तर्मुखी बच्चों की निशानियों का चयन करें ---

- A. ☑ साइलेन्स की शक्ति द्वारा भटकती हुई आत्माओं को सही ठिकाना दिखाना ।
- B. ☑ हर आत्मा के मन का आवाज इतना समीप सुनना जैसे कोई सम्मुख बोल रहा है ।
- C. ☐ देह -अभिमान में भी कभी -कभी आना ।
- D. ☑ व्यर्थ सकल्पो के विस्तार को समेट कर सार रूप में स्थित होना ।
- E. ☑ मुख के आवाज के व्यर्थ को समेट कर समर्थ अर्थात् सार रूप में ले आना ।

Q.5) आज की मुरली के अनुसार सभी सही वाक्यों को चयन करें---

- A. ☑ ऊँची स्टेज की निशानी है कि माया वार करने की बजाए नमस्कार करना शुरू कर देगी ।
- B. ☑ एक बाप दूसरा न कोई, ऐसी स्थिति निरन्तर और नेचुरल बन जाये । स्थिति बनानी न पड़े ।
- C. ☑ सदा एक-रस स्थिति मे स्थित रहकर, औरो का भी एक बाप से सम्बन्ध जुडाने मे, सर्व प्राप्ति कराने मे तत्पर रहना है ।
- D. ☑ अभी ऐसी स्टेज होनी चाहिए कि कैसी भी विकराल रूप से माया आये लेकिन आप उसको खिलौना समझेगे तो वह खेल हो जायेगा ।
- E. ☑ इस संगमयुगी ब्राह्मण जीवन मे रहते हुए वायुमण्डल, वायबेशन, तमोगुणी वृत्तियाँ, माया के वार, इन सबसे मुक्त, इसको कहा जाता है जीवनमुक्त ।

Q.6) बाप-दादा दूर देशवासी से, अव्यक्त वतनवासी से, बच्चो के ----------साकार वतन निवासी आकर बने । स्नेह का स्वरूप है ------ -----बनना । तो बाप- दादा ----------स्वरूप में स्नेह का रिटर्न दे रहे हैं । अब बच्चो को क्या रिटर्न करना है? जब बाप बच्चों के - ----------बन सकते हैं तो बच्चो को भी ---------- बनना है । यही स्नेह का रिटर्न है ।
[निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

- A. ○ साथी
- B. ○ हितैषी
- C. ○ मित्र
- D. ◉ सम्मान

Q.7) **अमृतवेले के समय ही ब्रहमा बाप भाग्य-विधाता के रूप में भाग्य अर्थात् अमृत बाँटते हैं । जितना भाग्य रूपी अमृत लेना चाहो वह ले सकते हो । लेकिन बुद्धि रूपी कलष अमृत धारण करने के योग्य हो । किसी भी प्रकार का विघ्न या रूकावट न हो । तो ऐसे समय पर लेना और देना साथ-साथ चलता है । वरदानी और महादानी दोनो पार्ट साथ-साथ चलता है । ऐसी स्थिति मे स्थित होने वाली उपकारी आत्माओं को, आत्माओं की पुकार स्पष्ट सुनाई देगी । इतनी स्पष्ट सुनाई देगी जैसे कानो मे कोई बात कह रहा हो ।**

A. ○ False

B. ◉ True

Q.8) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार आपस में मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	जैसे बाप पूरे विश्व का शिक्षक है,	ऐसे टीचर्स भी बेहद के शिक्षक हैं ।
B	बेहद के शिक्षक का बेहद का नशा- बेहद की खुशी,	बेहद की प्राप्ति, बेहद की प्रालब्ध और बेहद की स्थिति ।
C	देह- अभिमान बनना - हद की स्थिति हुई,	देही- अभिमानी बनना - बेहद की स्थिति हुई अर्थात् बन्धनो से मुक्त रहने वाली ।
D	बन्धन मुक्त ही जीवनमुक्त स्थिति है ,	भविष्य जीवनमुक्ति नही, अभी की जीवनमुक्ति ।
E	टीचर बनना अर्थात् बाप समान बनना ।	टीचर बनना अर्थात् बाप की गद्दी पर बैठना ।
F	.जैसे फ्रेन्डस हर कार्य मे सदा साथ-साथ रहते है,	ऐसे समान टीचर शुरू से साथ पढेंगे, साथ खेलेंगे और फिर साथ में ही राज्य करेंगे ।
G	स्वभाव, संस्कार, सम्बन्ध, सम्पर्क मे लाइट रहना,	अर्थात् फरिश्ता बनना ।

Q.9) **जैसे कल्प पहले के यादगार शास्त्रों में वर्णन है कि स्वय ----------ने द्रोपदी के पांव दबाये, तो ---------- समान उपकारी बच्चे बन सर्व आत्माओ की थकावट मिटाओ । अब बुद्धि रूपी पांव थक गये है, बुद्धि में स्मृति के स्विच को दबाओ । यही बुद्धि रूपी पांव दबाना है ।**

A. ○ युधिष्टर

B. ○ अर्जुन

C. ◉ बाप

Q.10) **बाप समान टीचर्स की निशानियों का चयन करें -------**

A. ☑ सदा विघ्न-विनाशक बन करके अनेको के विघ्न-विनाश करने के निमित्त बनना ।

B. ☑ सदा सन्तुष्ट रहना सदा सन्तुष्ट करना ।

C. ☑ देखकर ही सबके मुख से निकलेगा कि यह तो स्वमानधारी बाप- समान है ।

D. ☑ वह सदा स्वमान मे होंगी, हर कदम स्वमान का होगा ।

E. ☑ स्वमान ही उनका सिंहासन होगा । भविष्य सिंहासन के पहले स्वमान के सिंहासन पर सदा कायम रहेंगी ।